SHRI JIBON ROY: Sir, I have given notice to raise the matter of Employees' Provident Fund interest rate.

श्री सभापति : अभी wait करिए।

MATTER RAISED WITH PERMISSION

Re: 'Swatantra Jyoti Smarak' at Cellular Jail, Port Blair

श्री संजय निरुपम (महाराष्ट्र) : चैयरमेन साहब, कल जिस विषय पर थोड़ा शोरगुल हुआ था, उस विषय को आज विधिवत् तौर पर सदन में प्रस्तुत करने के लिए मुझे आप ने अनुमति दी है। ...(व्यवधान)...

श्री नीलोत्पल बसु (पश्चिमी बंगाल) : सर, आप की अनुमति से मैं एक बात कहना चाहूंगा । इस सदन की यह परंपरा रही है कि कॉलिंग अटेशन पर जब चर्चा होती है, उस दिन हम दूसरे मैटर नहीं लाते। तो क्या हम उस कनवेंशन से अलग हटकर कोई बिजनेस ले रहे हैं? क्या आप उस कनवेंशन को चेंज कर रहे हैं?

श्री सभापति : कनवेशन से हटकर नहीं, as a special case है। I agree with you. ...*(Interruptions)*... आप ठहरिए। अभी मंत्री जी जवाब देंगे।

SHRI JIBON ROY (West Bengal) : Sir, if this issue is being discussed, other Members should also be allowed to speak.

श्री सभापति : मैंने उन्हे permission दे दी है।

श्री संजय निरुपम : सभापति महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आप ने मुझे अनुमति दी। सभापति जी, 9 अगस्त हमारे देश मे क्रांति दिवस के रूप में मनाया जाता है और उसी दिन अण्डमान में एक स्वातंत्र्य ज्योति स्मारक के उदघाटन के लिए हमारे पेट्रोलियम मंत्री श्री मणि शंकर अय्यर पोर्टब्लेयर गए थे। यह स्वातंत्र्य ज्योति स्मारक पिछली सरकार के पेट्रोलियम मंत्री श्री राम नाईक जी की योजना थी। उन्होने इसे बनवाने का आदेश दिया था जिसे कि अण्डमान स्थित सेल्युलर सेल के परिसर में बनाया गया था। उस के बाद चुनाव आ गए और आचार संहिता लागू की गयी। यह स्मारक तैयार था, लेकिन फिर भी हमारे सरकार के मंत्री उस का उदघाटन नहीं कर पाए। अब जब मणि शंकर अय्यर उस का उद्घाटन करने गए, उस समय यह पाया गया और देखा गया कि उस स्मारक पर जिन स्वतंत्रता सेनानियों के अभिवचन और उन के महत्वपूर्ण वक्तव्यों को अंकित किया गया था या उन के प्लेट्स लगाए गए थे, उन में से लगभग काफी स्वतंत्रता सेनानियो के प्लेट्स हटा दिए गए हैं। वहां बहादुर शाह जफर, मदन लाल ढींगरा, सुभाष चन्द्र बोस, सरदार भगत सिंह और स्वातंत्र्य वीर सावरकर के प्लेट्स लगाने का निर्णय हुआ था। महोदय, उस के पीछे उद्देश्य यही था कि न केवल देश की आने वाली पीढ़ी को इन महापुरुषों के विचारो से स्फूर्ति मिले बल्कि अण्डमान जाने वाले और जो दुनियाभर के लोग वहां जाते हैं, उन को भी हमारे स्वतंत्रता संग्राम की स्फूर्ति की एक झलक मिल सके। महोदय, उन में से वीर सावरकर की कविताओं की प्लेट नदारद थी, गायब थी। इसलिए मेरा पहला प्रश्न

यह है कि क्या वीर सावरकर की कविताओं को उस स्मारक पर से, मिटाया गया जब कि सावरकर की कविताओं को वहां लगाने के पीछे उद्देश्य यह था कि 28 वर्षों तक उस जेल में वीर सावरकर ने...। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : ठीक है।

श्री संजय निरुपम : चैयरमैन साहब, मैं कम्प्लीट कर रहा हूं। मैं कुछ भी ऐसा नहीं कहूंगा ...(व्यवधान)... महोदय, 28 वर्षों तक उस जेल में सावरकर साहब कारावास की सज़ा भोग रहे थे। वह सेल्युलर सेल उन का आइडेंटीफिकेशन जैसा था, लेकिन वहां से उन का नाम हटा दिया गया, उन की कविताएं हटा दी गयीं।

दूसरे, यह हुआ कि कार्यक्रम के बाद सावरकर के ऊपर अपमानास्पद टिप्पणी की गयी। पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि गांधी जी की हत्या की साजिश में वह शामिल थे और इस आधार पर ऐसे व्यक्ति का नाम पोर्टब्लेयर एअरपोर्ट का नाम क्यो रखा गया, यह भी एक सवाल है और इस को बदला जाना चाहिए। सभापति जी, मैं बताना चाहता हूं कि जितने भी क्रांतिकारी हैं, उन के बारे में सब की राय एक हो, यह संभव नहीं है, लेकिन जब हम सरकार मे रहते है तो अपनी व्यक्तिगत राय को सरकार के कामकाज पर नहीं थोप सकते। फिर भी पेट्रोलियम मंत्री इस प्रकार की बात कहकर आए। अब सावरकर साहब के बारे में जो उन्होंने बात कही है, उन्हीं सावरकर साहब के बारे में श्रीमती इंदिरा गांधी ने क्या कहा था?

श्री सभापति : वह छोड़िए आप। सबने पढ़ा हुआ है।

श्री संजय निरुपम : सर, मैं खत्म करता हूँ, प्लीज यह एक बहुत महत्वपूर्ण विषय है।

श्री नीलोत्पल बसु : सर, आप हमे भी इजाजत देंगे? यह डिबेट जैसा भाषण दे रहे हैं तो हमें भी भाषण करने देंगे? ...(व्यवधान)...

श्री संजय निरुपम : सभापति जी, श्रीमती इंदिरा गांधी ने कहा था -"Savarkar was a great figure of contemporary India, and, his name is by-word for daring and patriotism." यह उनके बारे में इंदिरा गांधी जी ने कहा था और इसी तरह सर्वपल्ली डा0 राधाकृष्णन साहब ने कहा था ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : ठीक है, बस हो गया। यह तो सबने पढ़ लिया है। ...(व्यवधान)...

श्री संजय निरुपम : सर, मैंने ऐसी कोई बात नहीं कही, जिससे किसी को तकलीफ हो। ...(व्यवधान)... इसी तरह डा. राधाकृष्णन साहब ने कहा, डा. जाकिर हुसैन साहब ने भी कहा। ...(व्यवधान)... मेरा निवेदन इतना है कि हमारे जितने महापुरुष थे, उन्होने कहा। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : ठीक है, अब आप बैठ जाइए। यह जानकारी तो सबके पास है। ...(व्यवधान)...

प्रो. राम देव भंडारी (बिहार) : सर, ऐसा थोड़े ही हो सकता है कि सदस्य बिना अनुमति से अपने विचार रखेगा। ...(व्यवधान)...

श्री संजय निरुपम : सभापति जी, आपने मुझे इजाजत दी है, मैं अपनी बात रख रहा हूँ।

श्री नीलोत्पल बसु : सर, हमारे बंगाल के क्रांतिकारी 80 प्रतिशत जो हैं, वे जेल की सलाखो के पीछे थे। ...(**व्यवधान**)... सरकार अगर इस पर चर्चा करना चाहती है तो हमे भी मौका मिले। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : एक बात तो आप मानेंगे कि क्रांतिकारी किसी प्रदेश का हो, किसी जाति का हो, किसी धर्म का हो, मैं समझता हूँ कि क्रांतिकारियों का जितना हम सम्मान करेंगे उतना ही अच्छा होगा। इसमे आड़े न जाति है, न धर्म है, न प्रांत है, न व्यक्ति है। मेरा निवेदन है कि अब क्रांतिकारी बहुत पूर्व मे हुए हैं, उनके बारे में कोई ऐसी टीका-टिप्पणी करें कि जो अनुकूल न हो, तो अच्छा नहीं है।

श्री संजय निरुपम : सभापति जी, मैंने इंदिरा गांधी जी की बात कही। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : अच्छा एक-दो मिनट में आप खत्म कर दें।

श्री संजय निरुपम : ठीक है, सर। आप एक दो मिनट मेरी बात सुन लीजिए, मैं अपनी बात खत्म करता हूँ। श्रीमती इंदिरा गांधी का वक्तव्य मैंने इसलिए कोट किया क्योंकि श्रीमती इंदिरा गांधी कांग्रेस पार्टी की एक बहुत बड़ी नेता थीं और मणि शंकर अय्यर जी को इतना तो मालूम है कि वह कांग्रेस की एक बहुत बड़ी इनकी नेता रही हैं। अगर उनका यह बयान था, उनका यह मन्तव्य था, तो उस मन्तव्य से मणि शंकर अय्यर जी सहमत हैं या नहीं हैं, यह कांग्रेस पार्टी का मामला है, इसमे मुझे ज्यादा कुछ नहीं कहना है।

श्री सभापति : ठीक है, आपका हो गया। ...(**व्यवधान**)...

SHRI NILOTPAL BASU: Sir, let there be a full-fledged debate...*(Interruptions)*. . He can give a notice and we can have a debate.

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE (West Bengal) : Sir, what is the issue that he wants to raise? ...*(Interruptions)*...

SHRI NILOTPAL BASU: Sir, he has to just mention...*(Interruptions)*... Is this a debate? ...*(Interruptions)*...

SHRI SANJAY NIRUPAM: Sir, I am not at all debating. I am only mentioning that the Minister has given a statement ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति : गुलाम नबी आजाद जी, आप कुछ बोलेंगे।

SHRI MOTILAL VORA (Chhattisgarh): Sir, if they want to have a debate, then, we can have it...*(Interruptions)*...

संसदीय कार्य मंत्री तथा शहरी विकास मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : नहीं, सर। इसमे मणि शंकर अय्यर जी का आपके पास खत आया है और उन्होंने अपनी पोजीशन क्लीयर कर दी है। अब उसके बाद मुझे नहीं लगता कि इसमे कोई चर्चा की जरूरत है। ...(**व्यवधान**)...

श्री संजय निरुपम मानानीय सभापति जी, मैंने अभी अपनी बात खत्म नहीं की है और इसलिए सरकार का कोई रेस्पोन्स मुझे नहीं चाहिए। मुझे अपनी बात खत्म कर लेने दीजिए। इस पूरे विवाद मे, पूरे प्रकरण मे मेरी सरकार से तीन मागे है, तीन प्रश्न हैं। पहला यह कि सावरकर की कविताओ की प्लेट उस स्मारक से निकालने का निर्णय किसने लिया और क्यों लिया? दूसरा यह कि पैट्रोलियम मिनिस्टर ने वहां पर यह जो कहा कि पोर्ट ब्लेअर एयरपोर्ट का नाम सावरकर के नाम पर क्यो रखा गया है, इसको बदला जाना चाहिए। सरकार की भूमिका इस बारे मे क्या है, वह स्पष्ट करे। तीसरा यह कि मणि शंकर अय्यर ने वीर सावरकर जैसे एक महान क्रांतिकारी के प्रति जो अपमानात्मक टिप्पणी की है, वह टिप्पणी अपनी वापस ले और इस सदन मे आकर हम सब लोगो से माफी मांगें, सार्वजनिक रूप से माफी मांगे। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : देखिए, इस मामले पर कल काफी चर्चा हो चुकी है। ...(व्यवधान)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया (झारखंड) : पहले सुन लिया जाए इनको।

श्री सभापति . बोलने दीजिए पहले उनको। सरकार क्या कह रही है पहले उनको सुन लेने दीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री दीपांकर मुखर्जी : फिर हम भी बोलेगे। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति . गवर्नमेंट बोल रही है। ...(व्यवधान)...

श्री गुलाम नबी आजाद : सर, इन दोनो-तीनो मुद्दों को लेकर मणि शंकर अय्यर जी ने आपको सरकार की तरफ से, अपनी तरफ से एक स्पष्टीकरण दिया है जिसमें लिखा है कि "I understand that yesterday there were some questions in the House about Swatantra Jyot at Cellular Jail, Port Blair which I inaugurated on 9th August 2004, the anniversary of Quit India Movement launched by Mahatma Gandhi. May I offer the following clarifications? The Swatantra Jyot is a project of the Indian Oil Corporation Foundation which is managed by the Board of Trustees, the Chairman of the Board being the Minister of Petroleum and Natural Gas As the Swatantra Jyot is a parallel flame, commemorating the freedom movement, it is only appropriate that Mahatma Gandhi, the Father of the Nation, be remembered on the plinth on which the flame rests. This was done at my instance Neither at the official function, nor in the press conference that followed did I refer to V.D. Savarkar. When asked about him by NDTV, on the margins of the function, I said, "my personal views, as a citizen of India, were known and expressed earlier. But as a Minister, I was bound by the decision of the Council of Ministers".

SHRI M. VENKAIAH NAIDU (Karnataka): Sir, the issue is ...*(Interruptions)*...

श्रीमती सुषमा स्वराज (उत्तरांचल) : सर, जो बात उन्होने कही है वह उनके आचरण से नहीं आई है। ...(व्यवधान)...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, the point is, hon. Shri Ghulam Nabi Azadji did not say why Mr. Savarkar's quote has been removed which was decided by the Indian Oil Corporation Board? ...*(Interruptions)*...It was decided ...*(Interruptions)*... It was inscribed during the ...*(Interruptions)*... It is not a 'kavita', it is a quotation ...*(Interruptions)*... It is a quotation of Savarkarji. Why has it been removed? We have no objection with Mahatma Gandhi. We have no objection to any patriotic person's quotations being inscribed ...*(Interruptions)*... Why Vir Savarkar's quotation has been removed? ...*(Interruptions)*...

SHRI NILOTPAL BASU: Sir, what do they want? If they want a debate, please allow a debate. We have no problem ...*(Interruptions)*... What is the problem? ...*(Interruptions)*... How can they hijack the whole House? ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति : जो जवाब आया है वही उन्होंने दिया है। नेक्स्ट आइटम।

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, we heard the hon. Minister. ...*(Interruptions)*... What is the stand of the Government? ...*(Interruptions)*... That is the issue ...*(Interruptions)*...

SHRI NILOTPAL BASU: Sir, even yesterday, the RSS itself released a letter ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Please, close it now. Calling Attention Motion. ...*(Interruptions)*...

श्री नीलोत्पल बसु : सर, पेपर देख लीजिए। ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती सुषमा स्वराज : सभापति जी, उनका बयान अधूरा है। ...**(व्यवधान)**... उन्होंने कहा कि ...**(व्यवधान)**... वीर सावरकर का ...**(व्यवधान)**...

श्री आनन्द शर्मा (हिमाचल प्रदेश) : आप बताइये कि आपकी सरकार ने क्या किया? ...**(व्यवधान)**...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, who are they to remove this? ...*(Interruptions)*...

श्रीमती सुषमा स्वराज : वीर सावरकर का ...**(व्यवधान)**...

श्री नीलोत्पल बसु : सर, सेंट्टूर होटल पर चर्चा करवाइये। ...**(व्यवधान)**...

SHRI JIBON ROY: They would not allow the Calling Attention Motion. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति : मैं माननीय नेता विपक्ष से पूछना चाहता हूं । ...(व्यवधान)... मैं नेता विपक्ष से पूछना चाहता हूं। ...(व्यवधान)... एक मिनट। एक मिनट आप बैठ जाइये। ...(व्यवधान)...

SHRI MANOJ BHATTACHARYA (West Bengal) : Sir, they do not want the Calling Attention Motion to be taken up. Calling attention is very important. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति : एक मिनट बैठ जाइये। ...(व्यवधान)...

SHRI NILOTPAL BASU: Sir, let them answer why RSS released the letter written by Sardar Patel which clearly says that V.D. Savarkar was involved in the conspiracy behind assassination of Mahatma Gandhi. ...*(Interruptions)*...

SHRI MANOJ BHATTACHARYA: Sir, what is going on? ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति : एक मिनट बैठ जाइये। ...(व्यवधान)... मैं पहले लीडर आफ अपोजीशन से पूछना चाहता हूं कि क्या नारेबाजी उचित है? ...(व्यवधान)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : पहले सरकार इसका जवाब दे कि निकाला क्यों था? ...(व्यवधान)... हमें गांधी जी के नाम पर आपत्ति नहीं है, किन्तु निकाला क्यों था? ...(व्यवधान)...

SHRI MOTILAL VORA: Sir, I have a point of order. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति : आप बैठ जाइये। ...(व्यवधान)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : यह कैसे हुआ? पहले इसके बारे में जवाब लेना है। ...(व्यवधान)... सर, पहले जवाब तो दें। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : सभापति जी, जो जवाब संसदीय कार्य मंत्री जी की तरफ से ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : अब ज्यादा उचित यह होगा कि आप क्या जवाब चाहते हैं? आप मुझे लिखकर दे दीजिए। मैं उनको पास-ऑन कर दूंगा। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : संसदीय कार्य मंत्री जी ने जो जवाब दिया है, वह संतोषजनक नहीं है। श्री मणि शंकर अय्यर अगर क्रांतिकारी वीर सावरकर के प्रति ...(व्यवधान)... वीर सावरकर किसी के मोहताज नहीं हैं। ...(व्यवधान)... सरकार की ओर से जवाब नहीं आया है। ...(व्यवधान)... सभापति जी, संजय निरुपम ने जो प्रश्न उठाया कि वीर सावरकर का बोर्ड हटाया गया।...(व्यवधान)... वीर सावरकर का बोर्ड किसके कहने पर हटाया गया? ...(व्यवधान)... वहां पर श्री मणि शंकर अय्यर पर्सनल कैपेसिटी में नहीं गये, वहां मणि शंकर अय्यर केन्द्रीय मंत्री के रूप में गये। ...(व्यवधान)... He is bound by the Council of

Ministers, यह उन्होने अपने आचरण मे नहीं दिखाया । ...(**व्यवधान**)... यह उनके आचरण में नहीं झलका। ...(**व्यवधान**)...

SHRI NILOTPAL BASU: Sir, they do not want the discussion on Centaur Hotel They are interrupting to avoid the discussion. ...*(Interruptions)*...

श्री आनन्द शर्मा : सर, सेंटूर होटल पर चर्चा होनी चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : वीर सावरकर का नाम क्यों हटाया गया? उसका कारण बताया जाये। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : वीर सावरकर का चित्र क्यो उतारा गया? ...(**व्यवधान**)... यह संसद, यह स्वाधीनता उन्हीं क्रांतिकारियो की देन है। आज जो हम आज़ाद भारत में बैठे हैं, *यह उन्हीं क्रांतिकारियो की देन है कि आज आप इस संसद मे बोल रहे हैं।* ...(**व्यवधान**)... ब्रिटिश गुलामी से मुक्त हुए हैं, यह उन्हीं क्रान्तिकारियों की देन है। ...(**व्यवधान**)...

श्री दीपांकर मुखर्जी : सावरकर का नाम लेकर होटल के मामले को दबाना चाहते हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : इसी संसद में बैठने वाले एक मंत्री एक क्रांतिकारी का अपमान करें और यह संसद उसे मूकदर्शक बनकर देखती रहे। ...(**व्यवधान**)... इस संसद में जो आप बैठे हैं, यह उन्हीं क्रान्तिकारियो की देन है। ...(**व्यवधान**)...

श्री नीलोत्पल बसु : बीएसी मे चीजे तय होती है। ...(**व्यवधान**)...

श्री दीपांकर मुखर्जी : होटल का नाम किसके नाम पर रखेंगे? ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : यह उन्हीं क्रांतिकारियों की देन है कि आप मंत्री बने बैठे हैं और हम सदन में बैठे हैं। ...(**व्यवधान**)... आप उनका अपमान कर रहे है। ...(**व्यवधान**)...

श्री दीपांकर मुखर्जी : सावरकर का नाम लेकर होटल का किस्सा नहीं आने देना चाहते हैं। ...(**व्यवधान**)... आप सुन रहे हैं, सर। ...(**व्यवधान**)... होटल का नाम किसके नाम पर रखेंगे? ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : दस साल तक जेल मे रहने वाले ...(**व्यवधान**)...

SHRI NILOTPAL BASU: Sir, I want the Leader of the Opposition to speak on that. ...*(Interruptions)*... Sir, you ask the Leader of the Opposition to speak on that. ...*(Interruptions)*... Sir, let us hear the Leader of the Opposition. ...*(Interruptions)*...

विपक्ष के नेता (श्री जसवंत सिंह) : महोदय, सदन मे यह प्रश्न कल उठा था। आपने कृपा करके माननीय सदस्य को अनुमति दी कि इस प्रश्न का स्पष्टीकरण वे मांगे। उन्होंने स्पष्टीकरण मांगा और कुछ उत्तर मांगे। कुछ उत्तर माननीय मंत्री जी द्वारा उत्तर दिये गये थे,

उन्हीं के सहयोगी मंत्री जी की ओर से उत्तर दिये गये हैं। एक प्रश्न का उत्तर रह गया था कि वहां जिस क्रान्तिकारी के नाम को लेकर वहां शिलालेख तो नहीं, ...(व्यवधान)... उनकी लेखनी में से जो उद्धृत किया गया था, इतनी बात पूछना चाहते हैं कि क्या वह वहां से हटा दिया गया है या नहीं हटाया गया? यदि हटाया गया है तो किसने यह निर्णय लिया? क्या यह सरकार का निर्णय है या किसी का व्यक्तिगत निर्णय है या किसी न्यास का निर्णय है? क्योंकि यदि वहां पर व्यवस्था न्यास की होती है कि निर्णय न्यास का होगा और यदि सरकार ने निर्णय लिया है तो सरकार कह दे कि हमने निर्णय लिया है? यदि व्यक्तिगत निर्णय है तो यह स्पष्ट कर दिया जाए, बात इतनी सी है। उसके बाद हम आगे बढ़ेंगे। जो पिछले सत्र से विषय चल रहा है जिस पर आप लोग भी काफी व्यथित और उत्तेजित थे, उसका अवसर आ गया है, उस पर चर्चा हो सकती है। इसलिए इसका स्पष्टीकरण माननीय मंत्री जी दे दें, उसके बाद हम आगे चलें।

श्री जीवन राय : कॉलिंग अटेंशन होने दीजिए, उसके बाद हम उस पर बात करेंगे। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : एक मिनट इन्हें बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री गुलाम नबी आज़ाद : जैसा मैंने कहा कि इसका मैनेजमेंट फाउंडेशन और ट्रस्ट के द्वारा किया गया है। इस बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है। मैं नहीं समझता ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : बोलने तो दो। ...(व्यवधान)...

श्री गुलाम नबी आज़ाद : उसने मेरे इंस्टांस में कहा है कि गांधी जी का लगाया गया है। उसमें कहीं भी कहा नहीं है कि किसी का हटाकर लगाया गया है। उसमें खाली कहा गया है कि गांधी जी का उनके कहने से लगाया गया है। किसी का हटाने के बारे में इसमें चर्चा नहीं है।

श्री मोतीलाल वोरा : क्या गांधी जी की पटि्टका लगाने में इनको आपत्ति है? ...(व्यवधान)...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, who has ordered the removal of this quotation of V.D. Savarkarji? *...(Interruptions)...* The Minister said that he is not aware of it. *...(Interruptions)...* Who has ordered the removal of this quotation of Savarkarji? *...(Interruptions)...* इतना ही हमें चाहिए, और कुछ नहीं चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्री मोतीलाल वोरा : गांधी जी की पटि्टका लगायी गयी, उन्होंने कहा। किसी का हटाने के बारे में नहीं कहा। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : उन्होंने जो पत्र लिखा है, उस पत्र में लिखा है कि मैंने हटाने के लिए नहीं कहा। यह लिखा हुआ नहीं है। उसमें यह लिखा है कि गांधी जी के नाम से लिखा गया। ...(व्यवधान)...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: The Chair can ask Mani Shankar Aiyarji to give us a clarification tomorrow. *...(Interruptions)...* Let the Minister

come tomorrow and give us a clarification who has ordered the removal of the photo-frame of Veer Savarkar ...*(Interruptions)*...

श्री जीवन राय : पोर्ट ब्लेयर चलो। ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती सुषमा स्वराज : सर, यह तथ्य छिपाया जा रहा है। गांधी जी का उनके instance पर आया, यह सही है और हमें कोई आपत्ति भी नहीं है, लेकिन सावरकर का हटाकर गांधी जी का आया, तो सावरकर जी का हटाने का किसने हुक्म दिया, किसने आदेश दिया और क्यों दिया? और अगर मणि शंकर अय्यर जी व्यक्तिगत रूप से ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : ठीक है, मैं इसके बारे में बात कर लूंगा। ...**(व्यवधान)**...

श्री जीवन राय : पार्टी पोलिटिक्स इसमें मत लाओ। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : ठीक है, मैं बात कर लूंगा । ...**(व्यवधान)**... मैं सरकार से बात कर लूंगा। ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती सुषमा स्वराज : वह हटाकर गांधी जी का लाया। ...**(व्यवधान)**... तो उसके लिए तो ये बताएं कि किसने हटाया? ...**(व्यवधान)**...

श्री रुद्रनारायण पाणि (उड़ीसा) : आप चाइना की * करते हो ... आप चाइना की * करते हो ...**(व्यवधान)**...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Are you allowing him? ...*(Interruptions)*... Are you allowing him? ...*(Interruptions)*...

श्री जीवन राय : तुम्हारे एक मिनिस्टर को चैक किया, तुम्हारे एक मिनिस्टर को नंगा करके चैक किया, तब तुमने कोई कदम नहीं उठाया। तुम किसकी * करना चाहते हो? ... तुम किसकी * करना चाहते हो? ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : बैठ जाओ, बैठ जाओ। ...**(व्यवधान)**... जो कुछ डिमांड रखी है ...**(व्यवधान)**...

SHRI JIBON ROY: Sir, he has accused me as the * of China. What is this, Sir? He has to apologise. ...*(Interruptions)*...

श्री नीलोत्पल बसु : सर, ये माफी मांगेंगे क्या? ...**(व्यवधान)**... लास्ट बैंच पर बैठकर ये बोल रहे हैं। क्या सब कुछ चलेगा हाऊस में? ...**(व्यवधान)**... सब कुछ चलेगा हाऊस में? ...**(व्यवधान)**...

श्री तारिक अनवर (महाराष्ट्र) : सर, इसको रिकॉर्ड से निकाला जाए। ...**(व्यवधान)**...

श्री विक्रम वर्मा (मध्य प्रदेश) : आपको देश से माफी मांगनी चाहिए। ...**(व्यवधान)**...

---

* Expunged as ordered by the Chair.

श्री सभापति : चीन के * शब्द ऐक्सपंज किए गए। ...(व्यवधान)... शब्द ऐक्सपंज किए गए, बोल दिया है मैंने। ...(व्यवधान)...

श्री नीलोत्पल बसु : यह सब कुछ चलेगा सर? क्या है यह? आपकी ऑब्जर्वेशन, रूलिंग, कुछ नहीं मानेंगे ये लोग? हल्ला करेंगे, कुछ भी कहेंगे दूसरे लोगों को? यह चल सकता है क्या?

श्री सभापति : Words मैंने ऐक्सपंज कर दिए हैं... ऐक्सपंज कर दिए हैं। ...(व्यवधान)...

श्री नीलोत्पल बसु : सर, ऐक्सपंज से काम नहीं चलेगा। उनको माफी मांगनी पड़ेगी। सर, उनको माफी मांगनी पड़ेगी। He has to apologise. ...*(Interruptions)*... चीन के साथ हमारा क्या संबंध है, इसके लिए जो शब्द इस्तेमाल किया गया, उसके लिए उनको माफी मांगनी पड़ेगी। He has to apologise. ...*(Interruptions)*...

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry) : He has to apologise. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति : मैंने शब्द ऐक्सपंज कर दिए हैं। ...(व्यवधान)...

श्री नीलोत्पल बसु : ऐक्सपंज ही क्यों सर?. ...(व्यवधान)...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: He has to apologise. ...*(Interruptions)*...

श्री नीलोत्पल बसु : सर, आप उनको निर्देश दीजिए माफी मांगने के लिए। ...(व्यवधान)... आप उनको निर्देश दीजिए माफी मांगने के लिए। चीन हमारा मित्र राष्ट्र है और वे बोल रहे हैं कि हम चीन के * हैं। सर, आपको बोलना पड़ेगा। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : सदन की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

The House then adjourned at thirty-four minutes past twelve of the clock.

The House reassembled after lunch at two of the clock.

MR. CHAIRMAN in the Chair.

श्री सभापति : श्री दीपांकर मुखर्जी का काल अटेंशन मोशन लेने से पहले मैं इस सदन को दो बातों की जानकारी देना चाहूंगा। अभी अण्डमान के विषय के संबंध में मंत्री जी ने स्पष्टीकरण किया, लेकिन कुछ बातों का स्पष्टीकरण नहीं हो सका। मंत्री जी से मैंने इस संबंध में बातचीत की है। वे इसके लिए समय चाह रहे हैं और मैंने उनको कल का समय दिया है ताकि वे इसका स्पष्टीकरण कर सकें। दूसरी बात मैं नेता विरोधी दल महोदय की उपस्थिति में कहना

---

* Expunged as ordered by the Chair.

चाहूंगा। हाउस में चर्चा हो, इसमें किसी प्रकार का विवाद नहीं है। मैं ऐसा समझता हूं कि जितनी चर्चा होगी, उतनी हाउस की प्रतिष्ठा बढ़ेगी और जनता की समस्याओं का समाधान होगा। मुझे बहुत दुख के साथ कहना पड़ता है कि इस हाउस में अधिक चर्चा नहीं होती है और ऐसे विषयों पर चेयर विवश होकर सदन की कार्यवाही स्थगित करने के लिए मजबूर हो जाती है। इससे न सदन की प्रतिष्ठा बढ़ती है और न जिस बात के लिए हम सब लोग यहां बैठे हैं, उस कर्तव्य का ठीक प्रकार से निर्वाह कर पाते हैं। एक बात तो मैं विरोधी दल के नेता से कहना चाहूंगा कि सदस्यों का बार-बार वैल में आना, सदन में नारे लगाना और नारे लगाते-लगाते किसी पार्टी के लिए या किसी सदस्य के लिए इस प्रकार की बात कहना, जो असंसदीय है, उचित नहीं है। उसको लेकर कई वाद-विवाद खड़े हो जाते हैं। मैं इतना ही कह सकता हूं कि आज कुछ बातें कही गई जिनको मैंने सदन की कार्यवाही से एक्सपंज कर दिया। लेकिन यदि इस प्रकार की बातें कही जाती रहीं तो मैं कितनी बार एक्सपंज करूंगा और कितनी बार समस्या का समाधान होगा और जो यहां आने का परपज है, वह परपज सोल्व नहीं होगा। इसलिए जो कुछ हुआ है, उसके लिए मुझे बहुत दुख है, विरोधी दल के नेता जो कि बहुत अनुभवी हैं, इस आधार पर मैं इनसे चाहूंगा कि मुझे सलाह दें कि मैं क्या करूं और आप अपने सदस्यों से या मुझ से किस प्रकार का व्यवहार चाहते हैं, वह मुझे बताएं ताकि मैं ठीक प्रकार से इस सदन की कार्यवाही का संचालन कर सकूं।

विपक्ष के नेता (श्री जसवंत सिंह) : सभापति जी, मुझे यह कहने में तनिक भी संकोच नहीं है कि आपने जो कुछ भी सदन की कार्यवाही के बारे में फरमाया है, यह अक्षरश: सत्य है। सदन की कार्यवाही किसी और ढंग से नहीं चल सकती है। सदन चर्चा के लिए है। मैं यह भी कई बार कहता हूं कि दोनों सदनों की सभा, चाहे यह सभा है या दूसरी सभा है, मूलरूप से सरकार के लेजिस्लेटिव बिजिनेस के लिए होती है। 6 साल तक जब हमने वहां से अपनी जिम्मेदारी और फर्ज को निभाया तो इसी बात को मैंने लगातार कहा है। आज भी मैं यही कहूंगा कि सरकार की लेजिस्लेटिव जिम्मेदारी को पूरा करना, सदन की प्रमुख कार्यवाही लेजिस्लेटिव है। जो विषय प्रतिपक्ष के नाते आते हैं, प्रतिपक्ष का धर्म निभाने के नाते आते हैं, यह आवश्यक हो जाता है कि उन विषयों को यहां रखा जाए। सदन के सभी माननीय सदस्य बराबर हैं। कोई निम्न नहीं है, कोई बड़ा नहीं है। यदि आपको मेरे व्यवहार से, मेरे दल के व्यवहार से, प्रतिपक्ष के व्यवहार से यदि ऐसा कुछ हुआ हो जिससे आपको दुख हुआ तो यह मेरे लिए व्यक्तिगत तौर पर बहुत बड़े खेद की बात होगी। मैं आप से खेद प्रकट करूंगा। सभी सदस्य समान हैं, सभी दल समान हैं। यहां हम जिस सौगन्ध को लेकर के आते हैं, उस सौगन्ध को निभाने की कोशिश करेंगे। इस प्रकार का आपको दुख हो, तो मुझे अपना खेद प्रकट करने में कोई संकोच नहीं है।

आप सदन को चलाने के लिए जिस रूप में भी कहते हैं, मेरा कर्तव्य है कि नेता प्रतिपक्ष के नाते सदन को सही रूप से चलाने में आपका पूरा सहयोग कर सकूं। मुझे यह करना है। इसे करने में मुझे संकोच नहीं है। चेयरमैन साहब, मैं आपको क्या सलाह दूं। आपसे कहना तो आपको दीया दिखाने के रूप में होगा। अंत में यही है कि आपको इस प्रकार की टिप्पणी और करने का अवसर न मिले, ऐसी मैं आशा करता हूं।